

aglasem.com

कक्षा १२ व्यावसायिक अध्ययन नोट्स

व्यावसायिक वातावरण

Key Notes and Important Questions with Answers

अध्याय-3

व्यावसायिक वातावरण

व्यावसायिक वातावरण का अभिप्राय उन घटकों के योग से है जो व्यवसाय को प्रभावित करते हैं। तथा जिन पर व्यवसाय का अवसर दोनों उपलब्ध रहते हैं। व्यवसायिक वातावरण का अध्ययन इन खतरों व अवसरों को पहचानने में प्रबन्धकों की मदद करता है।

व्यवसायिक वातावरण के घटक-तत्व

आन्तरिक/विशिष्ट वातावरण	**बाहरी/साधारण वातावरण**
ग्राहक	आर्थिक घटक
निवेशक	सामाजिक घटक
आपूर्तिकर्ता	राजनीतिक घटक
लेनदान	तकनीकी घटक
श्रमिक	कानूनी घटक
प्रतियोगी	

व्यावसायिक वातावरण की विशेषताऐं

1. **बाह्य शक्तियों की समग्रताः**- व्यवसायिक वातावरण संस्था के बाहर की शक्तियों/घटकों का योग होता है जिनकी प्रकृति सामूहिक होती है।

2. **विशिष्ट एवं साधरण शक्तियाँः**- व्यवसायिक पर्यावरण में विशिष्ट तथा साधारण दोनों शक्तियाँ सम्मिलित होती हैं। विशिष्ट शक्तियों में ग्राहक, प्रतियोगी, निवेशक आदि आते हैं, जो उद्यमों को प्रत्यक्ष रूप में प्रभावित करते हैं तथा साधारण शक्तियों में सामाजिक, राजनीतिक, आर्थिक, कानूनी तकनीकी दशाएं आती हैं जो उद्यमों को अप्रत्यक्ष रूप से प्रभावित करती हैं।

3. **आंतरिक संबंधः**– व्यवसायिक वातावरण के विभिन्न तत्व/भाग एक-दूसरे से घनिष्ट रूप से जुड़े होते हैं। अतः आंतरिक संबंध होता है।

   उदाहरणार्थः– स्वास्थ्य के प्रति जागरूकता बढ़ने से स्वास्थ्यवर्ण्क भोजन एवं उत्पादों जैसे वसा रहित खाद्य पदार्थ, शूगर फ्री आदि की मांग बढ़ रही है।

4. **गतिशीलः**– व्यवसाय गतिशील होता है जो तकनीकी विकास, उपभोक्ताओं की रूचि तथा फैशन के अनुसार बदलता है।

5. **अनिश्चितताः**– व्यावसायिक पर्यावरण अनिश्चित होता है क्योंकि भविष्य में होने वाले पर्यावरणीय परिवर्तनों तथा उनके प्रभावों का पूर्वानुमान लगाना सम्भव नहीं है।

6. **जटिलताः**– व्यावसायिक पर्यावरण एक जटिल तथ्य है जिसको अलग-अलग हिस्सों में समझना सरल है, परन्तु समग्र रूप से समझना कठिन है।

7. **तुलनात्मकताः**– व्यवसायिक पर्यावरण एक तुलनात्मक अवधारणा है जिसका प्रभाव भिन्न-भिन्न देशों एवं क्षेत्रों में भिन्न-भिन्न होता हैं। **उदाहरणार्थः**– तैयार स्वास्थवर्धक भोज्य पदार्थी की माँग ग्रामीण के मुकाबले शहरी क्षेत्रों में अधिक होगी।

प्र०1	**व्यावसायिक वातावरण में विशिष्ट शक्तियों के दो उदाहरण दीजिए।** (निवेशक, ग्राहक स्वामी लेनदार कर्मचारी व ट्रेड यूनियन आदि।)
प्र०2	**ऐसा क्यों कहा जाता है कि व्यावसायिक पर्यावरण गतिशील है।** (क्योंकि यह समय के अनुसार बदलता रहता है।)

1. **अवसरों की पहचान तथा पहल के लाभः**– व्यवसायिक पर्यावरण के सही अध्ययन से एक उद्यम उपलब्ध लाभकारी अवसरों की पहचान कर सकता है तथा अपने प्रतियोगियों से पहले अवसरों से लाभ उठा सकता है।

2. **खतरों की पहचान एवं समय से पहले चेतावनी में सहायकः**– व्यवसायिक पर्यावरण की सही जानकारी, एक उद्यम को उन खतरों की पहचान में सहायता करता है जो इसके परिचालन में बाधक हो सकते हैं।

   उदाहरणार्थः– 'बजाज ऑटो' ने 'होन्डा' और बहुराष्ट्रिय कम्परियों से खतरा भाँपतें हुए अपने दो पहिया वाहनों में उचित परिवर्तन और सुधार किये।

3. **संसाधन का प्रयोगः**– व्यवसायिक पर्यावरण द्वारा उद्यम का विभिन्न संसाधनों जैसे पूंजी, मशीन, कच्चा माल आदि उपलब्ध कराये जाते हैं संसाधनों की उपलब्धता का पता लगाने तथा उन्हे आवश्यकता अनुसार प्राप्त करने के लिए भी व्यवसायिक पर्यावरण की जानकारी अनिवार्य है।

4. **परिवर्तनों का सामना करनाः**– लगातार व्यवसायिक पर्यावरण के अध्ययन से होने वाले परिवर्तनों का पता चलता है जिससे उनका सामना करने के लिए उपयुक्त प्रयासों को निश्चित किया जा सके।

5. **नियोजन एवं नीति निर्धारण में सहायताः**– व्यवसायिक पर्यावरण की समझ एवं विश्लेषण नियोजन एवं नीति निर्धारण में सहायता करते हैं।

   उदाहरणार्थः– 'ITC होटल' ने भारत में विभिन्न होटल खोलने का तब सोचा जब उसे भारत टूरिज़्म उद्योग में अवसर की संभावनाएँ दिखी।

6. **निष्पादन में सुधारः**– व्यवसायिक पर्यावरण का सही अध्ययन एक उद्यम के निष्पादन में सुधार कर सकता है तथा उसे दीर्घकाल तक सफल बना सकता है।

प्र०3 क्या व्यवसायिक वातावरण के विभिन्न घटकों के व्यवसाय पर प्रभाव को अलग-अलग पहचाना जा सकता है ?

(**संकेतः**– नहीं, क्योंकि सभी घटक एक दूसरे से संबंधित हैं।

प्र०4 व्यावसायिक पर्यावरण परिवर्तनों का सामना करने में कैसे मदद करता है ? (पहले से प्राप्त सूचनाओं के आधार पर कार्यशैली में आवश्यक परिवर्तन कर)

प्र०5 कोई दो कारण बताइये कि प्रबन्धकों के लिए व्यावसायिक पर्यावरण का ज्ञान क्यों आवश्यक है (महत्त्व के बिन्दु)

व्यवसायिक पर्यावरण के आयाम

इस पर्यावरण से तात्पर्य किसी अर्थव्यवस्था की उन नीतियों, सिस्ट्म्स व शक्तियों से है जा व्यवसाय को प्रभावित करते है।

(1) आर्थिक पर्यावरण : आर्थिक वातावरण का व्यवसाय पर प्रत्यक्ष प्रभाव होता। ब्याज की दर, मैट्रिक नीति, मूल्य वृद्धि दर, लोगों की आय में परिवर्तन आदि ऐसे आर्थिक तत्व है जो व्यवसायिक उद्यमों को प्रभावित करते हैं।

उदाहरण–

1. कर दरों में गिरावट होने से लोगों की डिस्पोजेबल आय बढ़ जाती है। जिससे उत्पाद की मांग में बढ़ोत्तरी होती है।
2. मुद्रा स्फीति से कच्चे माल, मशीन, मजदूरी व वेतन का खर्चा बढ़ जाता है।
3. रिजर्व बैंक द्वारा विमुद्रीकरण (Demonitistaion) लागू करना।
4. भारत की आर्थिक व राजकोषीय नीतियों में परिवर्तन के कारण NRI's के द्वारा भारत में निवेश करने के लिए प्रोत्साहित होना।
5. रोजगार का सृजन व कुशलता में वृद्धि के लिए 'मेक इन इण्डिया' को लान्च करना।
6. मंदी से निपटने के लिए रिजर्व बैंक द्वारा वाणिज्यिक बैंकों को ऋण पर ब्याज की दर को कम करेन की अनुमति देना।
7. बैंकों के द्वारा उचित ब्याज दर पर ऋणों की पेशकश।

(2) सामाजिक पर्यावरण : इसमें सामाजिक शक्तियां जैसे– रीति-रिवाज, मूल्य, सामाजिक बदलाव, जीवन-शैली आदि सम्मिलित होते हैं। इनमें बदलाव होने से व्यवसाय शीघ्र प्रभावित होते हैं। इनके कारण जहाँ व्यवसाय को विभिन्न अवसर मिलते हैं वही खतरे भी होते हैं। उदाहरण के लिए आजकल लोगों द्वारा अपने स्वास्थ्य पर अधिक ध्यान दिया जा रहा है जिसके कारण कुछ वस्तुएं जैसे डायट, पेय पदार्थ, मिनरल वाटर की मांग बढ़ गई है कुछ अन्य वस्तुएँ जैसे– तम्बाकु, वसायुक्त भोजन की मांग कम हो गई है।

उदाहरण–

1. दिवाली, ईद, क्रिसमस इत्यादि त्यौहारों पर ग्रीटिंग काड्र्स, मिठाई व उपहार की मांग में वृद्धि होना।
2. समान कार्य के लिए स्त्री व पुरूषों को समान वेतन।
3. अल्पसंख्यक और महिलाओं के लिए नौकरियों में आरक्षण की मांग।
4. बालिका शिक्षा को प्रोत्साहित करने के लिए 'बेटी पढ़ाओं बेटी बचाओ' आंदोलन की शुरूआत।
6. समाज कल्याण के लिए स्वच्छ भारत अभियान।

(3) तकनीकी/प्रौद्योगिकी वातावरण : तकनीकी पर्यावरण के उत्पादन की नई तकनीक एवं पद्धतियां आती है। व्यवसायी को उद्योग में होने वाली तकनीकी परिवर्तनों पर गहरी दृष्टि रखनी चाहिए क्योंकि ये परिवर्तन प्रतियोगियों का सामना करने के लिए नया उत्पाद की गुणवत्ता सुधारने के लिए अनिवार्य है।

उदाहरण–

1. E-Wallet तथा PayTM द्वारा भुगतान
2. Fountain पेन से Ball Pen में बदलाव
3. प्रतिभूतियों का भौतिक रूप खोना (Dematerization)
4. केबल टी.वी द्वारा रेडियो को प्रतिकूल रूप से प्रभावित करना।
5. Artificial Intelligence जैसे i-phone में सिरी

(4) राजनैतिक वातावरण : राजनैतिक स्थितियां में बदलाव के कारण भी व्यवसायिक संख्याएँ प्रभावित होती है। राजनैतिक स्थिरता व्यवसायिकों में आत्मविश्वास पैदा करती है जबकि राजनैतिक अशान्ति एवं खराब कानून व्यवस्था, व्यवसायिक क्रियाओं में अनिश्चितता ला सकती है।

उदाहरण–

1. बैंगलोर तथा हैदराबाद राजनीतिक समर्थन के कारण सूचना प्रौद्योगिकी हेतु लोकप्रिय स्थान बन गया है।
2. सरकार में बदलाव के कारण शेयर कीमतों में गिरावट।
3. पीएम के द्वारा व्यवसायिक संबंधों को बढ़ावा देने के लिए विदेश यात्रा करना।
4. मैट्रो निर्माण जैसी बुनियादी सुविधाओं के निर्माण के लिए सम्पत्ति अधिग्रहण करने पर सरकार द्वारा मुआवजा देना।
5. VAT व Sales Tax के स्थान पर G.S.T. लागू करना।

(5) कानूनी/विधिक वातावरण : कानूनी पर्यावरण में सरकार द्वारा पारित विभिन्न विधेयक, प्रशासानिक आदेश, न्यायालयों के फैसले, तथा विभिन्न सरकारी एजेंसियों के निर्णय सम्मिलित होते हैं। व्यवसाय को इनका पालन करना आवश्यक है।

उदाहरण–

1. सुप्रीम कोर्ट के द्वारा अनाधिकृत दुकानों व निर्माण को सील करने के आदेश जारी करना।

2. कानून के द्वारा शाकाहारी उत्पादों पर हरा बिंदू (Green Dot) व मासांहारी उत्पादों पर लाल बिंदू (Red Dot) लगाना सुनिश्चित करना।
3. वायु प्रदूषण के प्रभाव से बचाने के लिए ताजमहल के आस-पास लोहे की फैक्टीरियों को बंद करने का सुप्रीम कोर्ट के द्वारा आदेश पारित करना।

Demonetization (विमुद्रीकरण)

संकल्पना

विमुद्रीकरण परिसंचरण से एक विशेष मुद्रा को वापिस लाने की प्रक्रिया है।

भारत में इसे 8 नवंबर 2016 को सरकार द्वारा प्रस्तुत किया गया था। जिसके द्वारा ₹1000 और ₹500 के नोटों की विनिमय के माध्यम से स्वीकारिता समाप्त कर दी गई। ₹2000 के नए नोट को कानूनी निविदा के रूप में प्रस्तुत किया गया। इस से भारत में कुछ समय के लिए नकदी की तंगी हुई।

इसका उद्देश्य था–

- भ्रष्टाचार का नियंत्रण।
- काले धन के संचय को कम करना।
- उच्च मूल्य की मुद्रा को अवैध गतिविधियों में इस्तेमाल को कम करना।

विशेषताएँ–

1. **कर प्रशासन** : काले धन वाले लोगों को अपनी अनगिनत संपत्ति को घोषित करना था और जुर्माना दर पर करों का भुगतान करना था।
2. **बचत को सही दिशा देना** : बैंकों ने नई जमा योजनाऐं पेश की जिससे लोगों ने भारी निवेश किया। इससे बैंकों में नकदी की तरलमा बढ़ गई।
3. **नकदरहित अर्थव्यवस्था** : विमुद्रीकरण से डिजिटल लेनदेन या ई-लेनदेन को प्रोत्साहन मिला, जिससे नकदरहित अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिला।
4. **आतंकनिधि का उन्मूलन** : उच्च मूल्य मुद्राओं के उपयोग में कमी लाने से आतंक निधि व तस्करी से लड़ने में मदद मिलेगी।

निष्कर्ष–

हालांकि विमुद्रीकरण से अस्थायी तौर से बैंको में नकदी की कमी रही तथा भीड़ बढ़ी परन्तु लम्बी अवधी में सकल घरेलू उत्पाद पर इसका सकारात्मक प्रभाव पड़ेगा।

प्र०6 निम्नलिखित में व्यवसायिक वातावरण के किस आयाम को दर्शाया गया है ?

1. **बैंकों ने हाउसिंग लोन पर ब्याज दर में भारी कटौती की।**
2. **अधिक से अधिक महिलाओं का नौकरियों एवं व्यवसाय के प्रति रूझान।**
3. **इन्टरेनेट के माध्यम से हवाई जहाज़ की टिकट बुक करना सम्भव होना।**
4. **एल्कोहल के विज्ञापन पर प्रतिबंध।**
5. **राजनीति स्थिरता से व्यवसायियों ने दीघकालीन परियोजनाओं में निवेश करने के प्रति विश्वास बढाया है।**

1. **आर्थिक वातावरण** 3. **तकनीकी वातावरण**
2. **सामाजिक वातावरण** 4. **कानूनी वातावरण**
5. **राजनैतिक वातावरण**

भारत का आर्थिक वातावरण

आर्थिक सुधारों को मुख्य रखते हुए, भारत सरकार में नई आर्थिक नीति 1991 की घोषणा की। इसका उद्देश्य था कि भारत आर्थिक संकट में उभर कर शीघ्र आर्थिक वृद्धि की और बढ़ना।

नई औद्योगिक नीति का मुख्य उद्देश्य लाइसेंस प्रणाली के बंधन से उद्योगों को मुक्त कराना (उदारीकरण) सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका को कम करना (निजीकरण) तथा भारत के औद्योगिक विकास में विदेशी निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहन देना (वैश्वीकरण) था।

उदारीकरणः– इसका आशय भारतीय व्यवसाय एवं उद्योग को अनावश्यक नियंत्रण एवं प्रतिबंधों से मुक्त करने से हैं इसका मुख्य उद्देश्य कुछ उद्योगों को छोड़कर अधिकांश में लाइसेंस की आवश्यकता को समाप्त करना था, वस्तु एवं सेवाओं के स्थानांतरण में प्रतिबन्धों को हटा लेना, मूल्य निर्धारण की स्वतंत्रता देना, आयात-निर्यात प्रक्रिया को सरल बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना था।

निजीकरणः– इसका आशय राष्ट्र निर्माण में निजी क्षेत्र की भूमिका में बढोत्तरी करना तथा सार्वजनिक क्षेत्र की भूमिका को कम करने से है। जिसके परिणामस्वरूप सार्वजनिक उद्योगों को

निजी उद्योगों में बदला गया ताकि सरकारी क्षेत्र के भूमिका को 51% से भी कम किया जाए। इन सबका उद्देश्य कार्यक्षमता बढ़ाना, बजट घाटा कम करना और संसाधनों का बेहतर उपयोग सुनिश्चित करना था।

वैश्वीकरणः– इसका अर्थ है विश्व की विभिन्न अर्थव्यवस्थाओं का एकजुट हो जाना जिससे एक सम्मिलित वैश्विक अर्थव्यवस्था का उदय हो सके। यह विश्व की अर्थव्यवस्था में अधिक एकीकरण तथा आर्थिक अन्तनिर्भरता की एक प्रक्रिया है जिसके माध्यम से विभिन्न देशों में पारस्परिक लेन–देन में वृद्धि होगी। इसके परिणामस्वरूप निर्यात शुल्क हट गया, आयात शुल्क कम हो गया, पूंजीगत आयातों का उदारीकरण हो गया।

व्यावसाय एवं उद्योग पर सरकारी नीतियों में परिवर्तन का प्रभावः–

1. **प्रतियोगिता में वृद्धिः**– लाइसेंस में छूट के कारण तथा भारतीय बाजार में विदेशी फर्मों के प्रवेश के कारण भारतीय फर्मों के लिए प्रतियोगिता में वृद्धि हुई है।

2. **अधिक मांग करने वाले ग्राहकः**– आज का ग्राहक जागरूक है तथा वह बाजार की अधिक से अधिक जानकारी रखता है। जिसके कारण बाजार क्रेता– अभिमुखी बन गये हैं। ग्राहकों को आज गुणवत्ता वाली वस्तु एवं सेवाएं उपलब्ध कराई जाती हैं तथा उन्हें चयन के अवसर भी अधिक प्राप्त होते हैं।

3. **प्रौद्योगिकी / तकनीकी पर्यावरण में तेजी से परिवर्तनः**– तकनीकी विकास के कारण उत्पादन प्रक्रिया में तेजी से सुधार हो रहा है। जिसके कारण कम से कम लागत पर अधिक से अधिक उत्पादन हो पा रहा है। परन्तु तकनीकी बदलाव के कारण छोटी फर्मों के सामने अनेक कठिनाइयां तथा चुनौतियां आ रही है।

4. **परिवर्तन की आवश्यकताः**– नई आर्थिक नीति के बाद से बाजार शक्तियां मांग तथा पूर्ति के आधार पर अधिक तेजी से बदल रही है। व्यावसायिक वातावरण के विभिन्न घटकों में तेजी से हो रहे परिवर्तन के कारण फर्मों को भी अपने प्रचालन में निरंतर बदलाव/ संशोधन करना पड़ता है।

5. **मानव संसाधनों के विकास की आवश्यकताः**– आज के बदलते परिवेश में उच्च क्षमतावान तथा अधिक प्रतिबद्ध लोगों की मांग बढ़ रही है। अतः मानव संसाधनों के विकास की आवश्यकता हो गयी है जिससे उनकी कार्यक्षमता तथा उत्पादिकता में वृद्धि हो सके।

6. **बाजार अभिविन्यासः**– पहले बाजार में बिक्री अवधारणा प्रचलित थी, परन्तु आज

विपणन अवधारणा का बोलबाला है। आज उत्पादक द्वारा बाजार शोध के मामयम से ग्राहकों की आवश्यकताओं का पहले पता लगाया जाता है तथा फिर उन आवश्यकताओं के आधार पर उत्पादन किया जाता है। विपणन शोध शैक्षित विज्ञापन, विक्रय के बाद सेवाएं आदि अधिक महत्वपूर्ण हो गए।

7. **सार्वजनिक क्षेत्र को बजटीय समर्थन का अभावः**– आज सरकार द्वारा सार्वजनिक क्षेत्र को दिया जाने वाला बजटीय समर्थन कम होता जा रहा है जिससे इस क्षेत्र में कार्यरत फर्मे स्वयं आवश्यक संसाधन एकत्रित करे तथा अपनी कुशलता भी बढ़ाये ताकि उनका विकास हो सके।

व्यावसायिक पर्यावर्तन पर प्रबन्धकों की प्रतिक्रिया

आर्थिक नीति में परिवर्तन के प्रभाव के फलस्वरूप प्रबन्धकों को अपने व्यवसाय को न केवल बनाए रखने बल्कि विकसित करने के लिए कई क्षेत्रों पर ध्यान देना आवश्यक हो गया। बदलते व्यावयासिक पर्यावरण में कई चुनौतीपूर्ण निर्णय लेने आवश्यक हो गए थे। इसलिए व्यावसायिक पर्यावरण की समझ ने उन्हें कई निर्णय लेने में मदद की जैसे –बढती प्रतियोगिता में संभलना, अत्याधिक अपेक्षा वाले ग्राहकों से व्यवहार, तेजी से बदलता तकनीकी पर्यावरण मानवीय संसाधनों को विकसित करने की आवश्यकता–आदि

अभ्यास के लिए प्रश्न

प्र०1 "अर्थव्यवस्था को अधिक प्रतियोगी बनाने हेतु नौकरशाही शिकंजे से मुक्ति दिलाना है।" उपर्युक्त वाक्य किस को परिभाषित करता है? (1)

प्र०2 व्यवसायिक वातावरण का अध्ययन अवसरों को पहचानने में हमारी मदद करता है। यहाँ अवसर से आप क्या समझते हैं? (1)

प्र०3 वातावरण अनेक घटकों से मिलकर बनता है। ये सभी घटक आपस में एक-दूसरे से संबंधित होते हैं। यहाँ व्यवसायिक वातावरण की किस विशेषता का उल्लेख है? (1)

प्र०4 भारत सरकार ने जुलाई 1991 की नई आर्थिक नीति में निजी क्षेत्र को राष्ट्र निर्माण की एक नई भूमिका सौंजी है अवधारणा को पहचानकर समझाइये (1)

प्र०5 Lok Sabha Election 2014 के नतीजों के बाद, BSE का Price Index (Sensex) 1000 points से बढ़ा। वातावरण के उस घटक का उल्लेख कीजिए जिसका यहाँ वर्णन है (कारण सहित) किन्हीं दो और आयामों का भी वर्णन करें।

प्र०6 व्यावसायिक पर्यावरण की विशेषताओं 'अनिश्चितता' व 'जटिलता' को समझाइये। (4)

प्र०7 वातावरण में व्यवसाय के लिए खतरे तथा अवसर दोनों उपलब्ध रहते हैं। व्यवसायिक वातावरण को अध्ययन इन खतरों व अवसरों को पहचानने में प्रबन्ध की मदद करता है। उपर्युक्त प्रसंग द्वारा व्यवसायिक वातावरण के किन्हीं पाँच महत्वों का वर्णन कीजिए। (5)

प्र०7 "भारत सरकार ने जुलाई 1991 की नई आर्थिक नीति में निजी क्षेत्र को राष्ट्र निर्माण की एक नई भूमिका सौंपी है।" अवधारणा को पहचानकर समझाइए। (1)

प्र०8 न्यायालय ने आदेश पारित किया कि वाहनों का धुआरहित होना अति आवश्यक है। इस आदेश की अवहेलना होने पर भारी जुर्माना लगाया जाएगा। ऐसा करना लोगों के स्वास्थ के लिए ज़रूरी था। न्यायालय के इस सख़्त आदेश को आधार बनाते हुए जान मोटर्स लिमिटेड ने आधुनिक तकनीक का प्रयोग करके ऐसे वाहन बनाने का निर्णय लिया जिसमें धुआं उत्पन्न ही नहीं होगा। सरकार ने भी ऐसी औद्योगिक इकाइयाँ स्थापित करने के लिए अनेक प्रकार से सहायता प्रदान करने की घोषणा की।

(क) उपर्युक्त अनुच्छेद में वर्णित 'व्यवसायिक वातावरण' के तीन आयामों (Dimensions) को पंक्तियाँ उद्धृत करते हुए पहचानिए।

(ख) न्यायालय द्वारा समाज को प्रेषित कोई एक मूल्य बताइए।

उत्तर

उ०1 उदारीकरण

उ०2 इसका अभिप्राय व्यावसायिक वातावरण में होने वाले सकारात्मक परिवर्तनों से है जो नए व्यवसाय व उत्पाद को शुरू करने की संभावना के रूप में हो सकते हैं।

उ०3 जटिलता

उ०4 निजीकरण -

उ०5 राजनैतिक वातावरण

अन्य व्यवसायिक वातावरण के आयाम

आर्थिक वातावरण, सामाजिक वातावरण, तकनीकी वातावरण, वैधानिक वातावरण (कोई दो)

उ०6 भविष्य का अनुमान लगाने में कठिनाई, अत्याधिक गतिशी परिस्थितियों व शक्तियों.,

उ०7 उदारीकरण

उ०8 (क) "न्यायालय ने आदेश ..... अति आवश्यक है।"

वैद्यानिक वातावरण (Legal Environment)

(ख) "न्यायालय के इस आदेश ..... उत्पन्न ही नहीं होगा।"

तकनीकी वातावरण (Technological Environment)

(ग) "सरकार ने भी ऐसी..... घोषणा की।"

राजनैतिक वातावरण (Political Environment)

इकाई-1

अभ्यास के लिए प्रश्न

1. X लि० वाटर हीटर का निर्माण कार्य कर रही थी। व्यवसाय के लिए एक साल बाद कम्पनी ने जो राजस्व या लाभ कमाया वो कम था। विशलेषण करने के पश्चात कम्पनी ने तय कियाः -

   (क) श्रम लागत को कम करने के लिए उत्पादन इकाई को किसी पिछड़े क्षेत्र में स्थानांतरिक किया जाए जहाँ श्रमिक कम मजदूरी पर उपलब्ध हों।

   (ख) सोलहर वाटर हीटर का निर्माण शुरू किया जाए तथा धीरे-2 बिजली से चलने वाले हीटरों का उत्पादन कम किया जाए

   प्र०1 प्रबन्ध के किस कार्य की ओर इशारा किया गया है ?

   प्र०2 व्यवसायिक वातावरण का कौन सा तत्व यहाँ पर लागू होता है।

   प्र०3 किन्हीं दो मूल्यों का उल्लेख कीजिए जिन्हें कम्पनी समाज तक प्रेषित करना चाहती है।

   (संकेत : (क) नियोजन एवं नियन्त्रण (ख) सामाजिक) (ग) पिछड़े इलाकों में रोजगार के अवसर व पर्यावरण के संबंध में जागरूकता

2. XYZ लिमिटेड प्रसाधन बनाने वाली कम्पनी है जिसका अपने उद्योग में वर्यस्व है। सन् 1991 तक कम्पनी का व्यापार बहुत अच्छा था। परन्तु उदारीकरण के नए वातावरण के कारण बहुत सी बहुराष्टीय कम्पनियों ने इस क्षेत्र में प्रवेश किया जिससे XYZ का बाजार अंश घट गया। कम्पनी ने व्यापार में अत्यधिक केन्द्रीयप्त माडल का अनुसरण किया। उन्होंने निदेशकों एवं प्रभागीय प्रमुखों को छोटे-2 फैंसले लेने का भी अधिकार दे दिया।

   (क) प्रबन्ध के किस कार्य को यहाँ इंगित किया गया है ?

   (ख) वातावरण का कौन सा आयाम यहाँ इस वसतुस्थिति में अर्न्तनिहित है ?

   उपरोक्त में से उन पंक्तियों को इंगित कीजिए।

   (संकेत (क) संगठन (ख) राजनैतिक)

3. एक कम्पनी में ब्रिक्रि अधिकारी (प्रबन्धक) को 40 यूनिट बेचने का लक्ष्य दिया गया

जिसे पूरा करने के लिए उसे 10 ब्रिक्री अधिकारियों की आवश्यकता है परन्तु उसके पास केवल 7 ब्रिक्री अधिकारी हैं। तीन अन्य अधिकारियों को नियुक्त करने का अधिकार उसके पास नहीं था जिसके कारण वो केवल 28 यूनिट ही बेच पाया। कम्पनी के महा प्रबंधक ने लक्ष्य पूरा ना करने का दोष ब्रिक्री प्रबन्धक पर लगाया ।

(क) आपके विचार में क्या ब्रिक्री प्रबन्धक को दोषी ठहराया जाना चाहिये ?

(ख) प्रबन्ध के किस सिद्धान्त को यहाँ अनदेखा किया गया है ?

(ग) प्रबन्ध के किस कार्य की यहाँ अत्याधिक आवश्यकता है ?

(संकेतः (क) नहीं (ख) अधिकार एवं उत्तरदायित्व का सिद्धान्त (ग) नियुक्तिकरण)

4. मीरा, सनशाइन लि० की अध्यक्ष का मानना है कि कम्पनी के सफल प्रबन्धन का श्रेय केवल उसका है क्योंकि बाकी लोग उच्च स्तर के प्रबन्धकों द्वारा बनाई गई योजनाओं एवं नीतियों का ही तो अनुसरण करते हैं।

(क) क्या आप उनके मत से सहमत हैं ?

(ख) यहाँ प्रबन्ध के किस लक्षण की कमी है ?

(ग) यहाँ प्रबन्ध के किस सिद्धान्त की अवहेलना की जा रही है ?

(संकेतः (क) नहीं (ख) सहयोग (ग) Espirit De Corps

5. ए. आर. रहमान ऑस्कर पुरस्कार विजेता हैं। वो इस पुरस्कार को जीतने वाले पहले भारतीय हैं। ये पुरस्कार उन्हें उनकी रचना "जय हो" के लिए मिला है। उनकी संगीत रचना अणितिय एवं भिन्न है क्योंकि उन्होंने गायन नोटस का प्रयोग अपने ही तरीके से किया है।

ए. आर. रहमान की भांति, नन्दन, जो एक्पर्ट सेल्स लि० में महाप्रबन्धक हैं अपने प्रबन्ध के ज्ञान को अलग तरीके से प्रयोग में लाते हैं तथा उनके मार्गदर्शन में काम करने वाले सभी कर्मचारी खुश एवं संतुष्ट हैं। जो कर्मचारी समय पर दफ़्तर पहुँचता है वो उसे पुरस्कृत करते हैं।

(क) प्रबन्ध की उस प्रकृति को पहचानिए जिस पर प्रकाश डाला गया है।

(ख) नन्दन के व्यवहार द्वारा प्रबन्ध का कौन सा सिद्धान्त प्रदर्शित होता है ?

(ग) नन्दन अपने कर्मचारियों के मन में कौन सा मूल्य बैठाना चाहते हैं ?

(संकेत : (क) प्रबन्ध कला के रूप में (ख) मधुरता न कि विवाद (ग) अनुशासन)

6. श्री सिंह चमड़े के वस्त्र बनाने वाली कम्पनी के मालिक हैं और अपने मार्केटिंग प्रमुख को हर तिमाही Europe भेजते हैं ताकि फैशन में होने वाले परिवर्तनों को समझ सकें। इससे उन्हें ग्राहकों की माँग तथा उम्मीद के अनुसार नवीनतम रेंज तैयार करने में मदद मिलती है।

(क) यहाँ प्रबन्ध के किस लक्षण की ओर संकेत किया गया है?

(ख) व्यवसायिक वातावरण के किस आयाम की ओर यहाँ संकेत किया गया है? उसका व्यापार पर पड़ने वाले 2 प्रभाव बताइये?

7. श्रीमान बाली क्लासिक लि० के उत्पादन प्रबन्धक हैं एवं सफलतापूर्वक अपना विभाग चला रहे हैं। उन्होंने अपने विभाग में ऐसा वातावरण कायम किया है कि कोई भी किसी अन्य के कार्य में बाधा नहीं बनता परन्तु सभी एक दूसरे की सहायता के लिए तैयार रहते हैं। पिछले कुछ दिनों से श्री बाली बाजार में कुछ परिवर्तन देख रहे हैं पहले वे अपनी इच्छानुसार वस्तुओं का उत्पादन करते थे और थोड़ी सी कोशिश से उन्हें बेचने में सफल रहते थे। परन्तु अब उन्हें लोगों की इच्छानुसार वस्तुओं का उत्पादन करना पड़ता था। जाँच करने पर पता चला कि सरकार की सकारात्मक नीतियों के कारण अब व्यापार चलाना आसान हो गया है, जिसकी वजह से बहुत नए लोगों ने व्यापार में प्रवेश किया है जिसके फलस्वरूप स्पर्धा बढ़ गई है तथा बाजार का नियन्त्रण उत्पादकों के हाथों से फिसल कर ग्राहकों के हाथों में चला गया है।

(क) यहाँ प्रबन्ध की किस संकल्पना (Concept) की व्याख्या की गई है। इसके दो महत्व बताइए?

(ख) व्यावसायिक वातावरण के किस आयाम एवं उसकी किस संकल्पना को दर्शाया गया है?

(संकेत : (क) समन्वय (ख) आर्थिक वातावरण, उदारीकरण)

8. कुछ समय से सरकार ये देख रही है कि सार्वजनिक क्षेत्र उद्योग का प्रदर्शन मानकीकरण के स्तर तक नहीं पहुँच पा रहा था। कई कोशिशों के बाद भी जब कोई सुधार नहीं पाया गया तो सरकार ने सार्वजनिक क्षेत्रों के भागों में निजी क्षेत्र की भूमिका बढ़ाने का निश्चय किया है। इससे प्रदर्शन के स्तर में सुधार आएगा। सरकार के इस निर्णय पर पहुचने का मुख्य कारण था कि सार्वजनिक क्षेत्र के विभिन्न विभाग एक दूसरे के साथ मिल कर कार्य नहीं करते जबकि निजी क्षेत्र में स्थिति बिलकुल विपरीत होती है।

(क) प्रबन्ध के क्षेत्र के उस संकल्पना को पहचानिए जो सार्वजनिक क्षेत्र की विफलता को दर्शाती है ?

(ख) उपरोक्त में व्यवसायिक वातावरण के किस आयाम की संकल्पना की गई है ? इसे पहचानिये तथा इसका अर्थ बताइये।

(संकेत : (क) समन्वय (ख) निजीकरण)

9. श्री सिंह एक होटल श्रंखला के महाप्रबंधक के रूप में कार्यरत हैं और व्यवसायिक वातावरण पर नजर रखना उनके रोज के कार्यों में शामिल है। पिछले कुछ दिनों से श्री सिंह ने ये महसूस किया कि सरकार पर्यटन उद्योग में विशेष रूप से रूचि ले रही है। विदेशी मुद्रा का अर्जन एवं रोजगार को बढ़ावा देना इसके मुख्य कारण हैं। इस खबर के आधार पर उन्होंने कई पर्यटन स्थलों पर होटल खोलने का निश्चय किया। बाकी कम्पनियों ने जब तक इस विषय पर जब तक विचार किया उससे पहले उन्होंने कई होटल बाजार में लोकप्रिय होने लगे। कम्पनी की इस सफलता के पीछे, एक और कारण यह भी था कि कम्पनी अपने कर्मचारियों को न केवल उतरदायित्व देती थी बल्कि कार्य पूरा करने के लिए अधिकार भी देती थी। वातावरण अनुकूल होने के कारण वे प्रबन्धकों के सम्मुख नए-2 विचार रखने लगे जिन्हें कम्पनी द्वारा ग्रहण किया जाने लगा।

(क) पंक्तियों को इंगित करते हुए व्यवयायिक वातावरण के इस महत्व को बताइये जिसकी व्याख्या की गई है।

(ख) कम्पनी द्वारा प्रबन्ध के किस सिद्धान्त का प्रयोग किया गया है ?

(ग) श्री सिंह किस स्तर पर कार्य कर रहे हैं। उस स्तर पर किए जाने वाले कोई अन्य दो कार्य बताइये।

(संकेतः- (क) नियोजन एवं नीति निर्धारण में सहायता सरकार पर्यटन .....

(ख) अधिकार एवं उत्तरदायित्व का सिद्धान्त

(ग) उच्च स्तर)